Notification No. : F. No. COE/Ph.D./ (Notification)/525/2022

Date of Award: 15/11/2022

Name of the scholar: Mehraj Ali

Name of the Supervisor: Dr. Anil Kumar

Name of the Department/Centre: Department of Hindi. Faculty of Humanities and Languages.

Topic of Research: SURENDRA VERMA KE NATAKON MEIN ADHUNIK BHAVBODH

Finding

आधुनिक भावबोध किसी प्रकार की स्थिति नहीं, बल्कि एक ऐसा विचार है जो केवल व्यक्ति के स्वभाव एवं उसके विवेक पर निर्भर करता है। ऐसे में किसी व्यक्ति को आधुनिक सिद्ध करने के लिए किसी समय विशेष में बाँध कर परखा नहीं जा सकता। अपने पारंपरिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए भी कोई व्यक्ति आधुनिक हो सकता है। अतः आधुनिक भावबोध भौतिक स्तर पर नहीं, मानसिक स्तर पर आँका जाता है और इस परिभाषा के अनुरूप सुरेन्द्र वर्मा के नाटक आधुनिक भावबोध के धरातल पर खरे उतरते हैं।

सुरेन्द्र वर्मा के सभी नाटक आधुनिकता के विभिन्न पहलुओं को समाहित कर एतिहासिक एवं पौराणिक कथा का सहारा लेते हुए आज के समाज के विभिन्न पक्षों को प्रस्तुत करते हैं। वे मुद्दे जिन्हें सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करना, उन पर चर्चा करना समाज में निषिद्ध है। और समाज जिसे अश्लीलता की श्रेणी में रखते हुए अस्वीकृत कर देता है, सुरेन्द्र वर्मा अपने नाटकों में इन सभी मुद्दों को निर्भीकतापूर्वक उठाते हैं। उनकी यह निर्भीकता आज के आधुनिक मानव का स्वर है।